Unit — 1

Notes

* विविधता का संप्रत्यय *
(Concept of Diversity)

भूमिका :→

संपूर्ण सृष्टि विविधतापूर्ण है कहीं भयंकर गर्मी, कहीं पहाड़ तो कहीं मैदान और रेत है। इसी प्रकार मनुष्यों की शक्ल, सूरत, रहन-सहन, विचार, खान-पान इत्यादि में भी विविधता दृष्टिगत होती है। यह विविधता मनुष्य के लिए वरदान है तो कहीं-कहीं इसके दुष्परिणाम भी देखे जाते हैं। विश्व के समूचे देशों में विभिन्न प्रकार की विविधताएँ विद्यमान हैं और भारत तो अपनी विविधता के लिए विश्वविख्यात है। भारतीय विविधता और विविधता में एकता प्रसिद्ध है।

* विविधता का अर्थ (Meaning of Diversity)

विविधता से तात्पर्य है — विचारों, धर्म, संस्कृति सामाजिक ताने-बाने, राष्ट्रीय तथा आर्थिक रूप से लोगों एवं क्षेत्रों में विविधता। भारतीय सन्दर्भ में विविधता के संप्रत्यय को यहां के बहुसांस्कृतिक तथा बहुधार्मिक समाज में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। भारत में हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध

Scanned by CamScanner

जैन धर्म के लोग निवास करते हैं जो भारतीय संस्कृति तथा समाज की विविधता के द्योतक हैं।

* विविधता का महत्व तथा प्रकार *

(Importance and Types of Diversity)

विविधता एक बहुआयामी सम्प्रत्यय है जो किसी एक क्षेत्र में न होकर मनुष्य के जीवन के प्रत्येक क्षेत्र तथा उसकी जनसांख्यिकी में भी होता है। जिसके वजह से विविधता का महत्व एवं क्षेत्र व्यापक हो जाता है जो निम्नलिखित है :—

(i) विविधता का महत्व इसलिए भी है कि इसके द्वारा सभी जातियों संस्कृतियों और संस्कारों तथा रहन-सहन वाले व्यक्ति साथ-साथ रहते हैं।

(ii) विविधता विभिन्न संस्कृतियों को भावी पीढ़ी को हस्तांतरित करने तथा सांस्कृतिक संरक्षण हेतु आवश्यक है।

(iii) विविधता के द्वारा व्यक्तियों के समक्ष विकल्प होते हैं जिनमें से वह स्वयं हेतु श्रेष्ठ का चयन कर सकता है।

(iv) विविधता मिलकर रहने की शिक्षा

Scanned by CamScanner

हेतु महत्वपूर्ण है।

(v) विविधता के द्वारा अनुकुलन की क्षमता में वृद्धि होती है।

(vi) विविधता प्रजातियों संस्कृतियों के अस्तित्व हेतु महत्वपूर्ण है।

(vii) विविधता के द्वारा आर्थिक गतिविधियों में तीव्रता आती है।

(viii) विविधता के द्वारा व्यक्ति तुलना करके अच्छी बातों को अपनाते हैं। जैसे–सामाजिक आर्थिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक आदि क्षेत्रों में सुधार होते हैं।

(ix) विविधता भाषायी ~~विको~~ विकास तथा साहित्यिक सृजन के लिए महत्वपूर्ण है।

(x) विविधता किसी भी समाज तथा राष्ट्र की गरिमा की द्योतक होने के कारण भी महत्वपूर्ण है।

* विविधता के प्रकार (Types of Diversity) *

विविधता के क्षेत्र अत्यधिक व्यापक है। अतः इस प्रकार विविधता के प्रकार निम्नलिखित है :–

Scanned by CamScanner

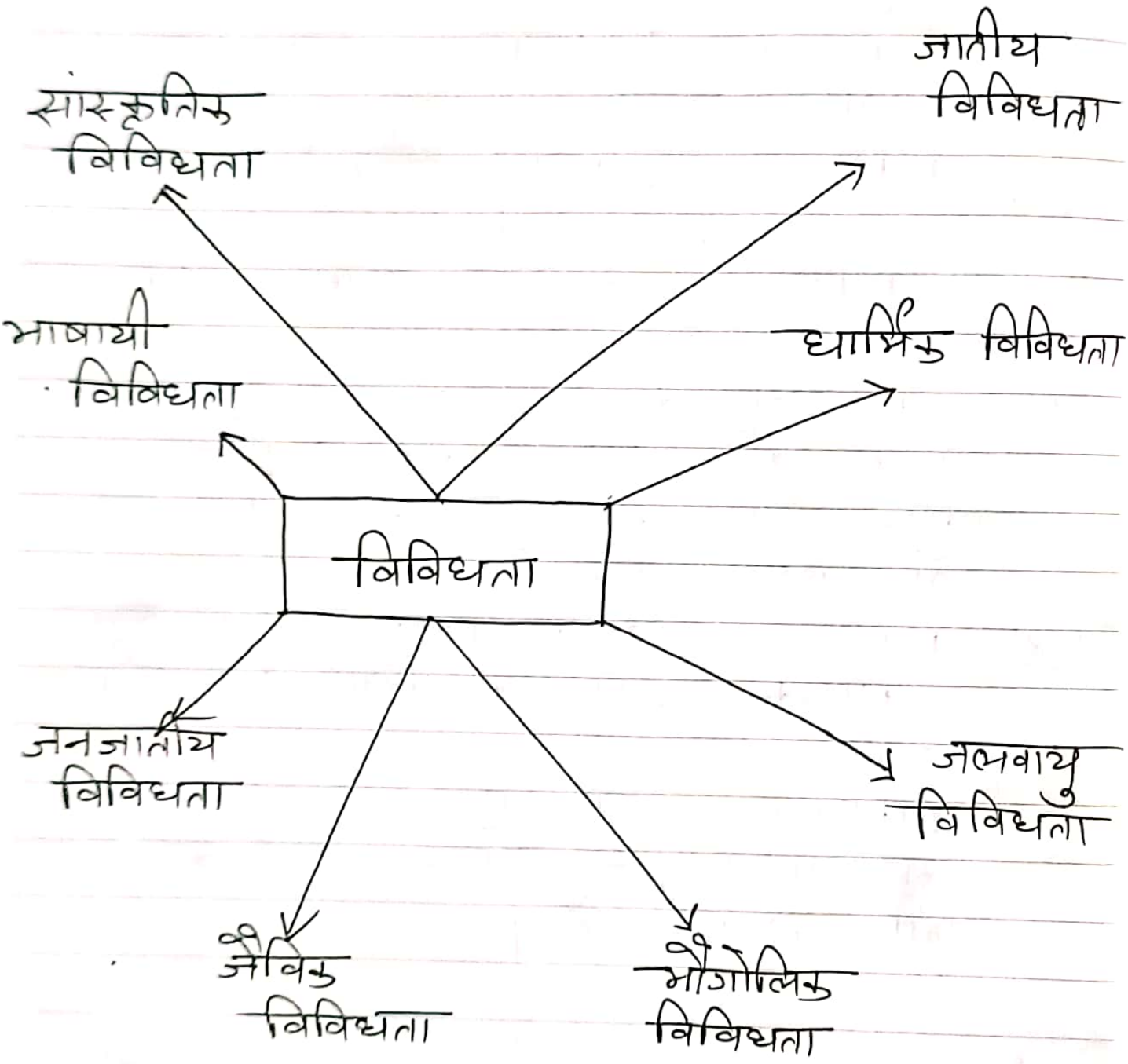

(i) सांस्कृतिक विविधता :—

भारत एक बहुसांस्कृतिक देश है जहाँ के लोगों के अलग - अलग रहन - सहन, भेषभूषा तथा खान - पान है। विभिन्न जातियों

Scanned by CamScanner

Notes Date

के लोगों की संस्कृति अलग-अलग है, विभिन्न धर्मों तथा ग्रामिण एवं शहरी लोगों के जीवन में भी अन्तर है। भारतीय समाज में जीवन जीने की पद्धति संस्कार, वेशभूषा, नृत्य तथा लोकगीत विवाह इत्यादि के संस्कारों में विविधता देखने को मिलती है। सांस्कृतिक विविधता किसी भी समाज एवं राष्ट्र के लिए महत्वपूर्ण है। भारत भी अपनी सांस्कृतिक विविधता के कारण समुचे विश्व में विख्यात है।

(ii) भाषायी विविधता: भाषा मनुष्य की अभिव्यक्ति विचारों के आदान-प्रदान का शक्तिशाली माध्यम है। भारत में कहा जाता है कि "चार कोस पर पानी बदले आठ कोस पर बानी"। वर्ष 2011 के जनगणना के अनुसार भारत में 19 हजार 569 भाषाएं बोली जाती हैं। भारतीय संविधान के आठवीं अनुसूची में भाषाओं को स्थान प्रदान किया गया है। वर्तमान में 22 भाषाओं को भारत में मान्यता प्राप्त हुई है।

Scanned by CamScanner

भारतीय समाज तथा भाषा

परिवार

→ इंडो-यूरोपियन भाषायी परिवार

↓

78.4 % लोग इस भाषा के अन्तर्गत आते हैं।

↓

हिन्दी, बिहारी, गुजराती, राजस्थानी, उड़िया, मराठी, कश्मीरी इत्यादि

→ द्रविण भाषायी परिवार

↓

20.6 % लोग इस भाषा के अन्तर्गत आते हैं।

↓

तेलगु, कन्नड, तमिल, मलयालम, कोडगु तथा गोंडी इत्यादि भाषा।

→ आस्ट्रो एशियाई भाषायी परिवार

↓

मुंडारी, खासी, जुआंग, संथाली, बोन्दो, जुआं इत्यादि

Scanned by CamScanner